राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के तहत यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की एक रिपोर्ट

यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा 12 से 18 फरवरी 2024 को उत्पादकता सप्ताह का आयोजन धूमधाम से किया गया। राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा दिनांक 12 से 18 फरवरी प्रत्येक वर्ष उत्पादकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल ने इस बार की थीम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: प्रोडक्टिविटी इंजन फॉर इकोनामिक ग्रोथ पर विभिन्न महाविद्यालयों में टॉक ,पैनल डिस्कशन ,लेक्चर गोष्ठियों इत्यादि का आयोजन किया। कार्यक्रम के पहले दिन सीबी गुप्ता बी एस एस महाविद्यालय, लखनऊ में स्नातक के छात्रों के बीच एक गोष्ठी का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ अवधेश कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर क्राइस्ट चर्च पीजी कॉलेज द्वारा विद्यार्थियों को यह बताया गया कि कृत्रिम बौद्धिकता का उपयोग उत्पादकता क्षेत्र में करके इसकी क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। कृत्रिम बौद्धिकता आधुनिक समय की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में से एक है। इसका उपयोग संपूर्ण मानवता के विकास में होना चाहिए। कार्यक्रम के दूसरे दिन गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज में उपरोक्त विषय पर एक पैनल डिस्कशन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ अमित कुमार सिंह ,असिस्टेंट प्रोफेसर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय थे। पैनल डिस्कशन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रश्मि शर्मा एवं यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल की प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ सुधा बाजपेई थे । बी एड एवं फार्मेसी के विद्यार्थियों के बीच उपरोक्त विषय पर चर्चा हुई । मुख्य वक्ता ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विषय में बताते हुए कहा कि जो महिलाएं प्रायः समाज के विकास में पीछे छूट जाती हैं उन्हें कृत्रिम बौद्धिकता को अपनाकर समाज की मुख्यधारा में अपना सहयोग करना चाहिए । इस तरह महिलाएं यानी समाज की आधी आबादी यदि समाज के विकास में पूर्ण योगदान करेगी तो इससे समाज में आया हुआ असंतुलन दूर हो जाएगा । कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष डॉ आशीष मिश्रा, इंटर कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती अलका बोस, फार्मेसी के डायरेक्टर श्री अमित श्रीवास्तव, आकांक्षा वाजपेई इत्यादि अनेक लोग उपस्थित थे। विद्यार्थियों द्वारा अनेक सवाल -जवाब किए गए, जिनका वक्ताओं ने कुशलतापूर्वक उत्तर दिया । राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के तीसरे दिन बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में उपरोक्त विषय पर पैनल डिस्कशन हुआ। पैनल में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर गौरी मिश्रा ने विद्यार्थियों को विस्तार से बताया कि समय के साथ चलने के लिए इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती ।कार्यक्रम की निदेशक डॉ सुधा वाजपेई ने कहा कि प्रायः समाज की वंचित महिलाएं नवाचारों को नहीं अपना पाती। इसके लिए विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक शक्तियां जिम्मेदार होती हैं ।आज आवश्यकता इस बात की है कि तमाम बाधाओं को पार करते हुए महिलाएं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपने और उत्पादकता को बढ़ाने में अपना योगदान दें । कार्यक्रम में इतिहास विभाग के प्रोफेसर एवं डीन ऐकैडमिक अफेयर्स प्रोफेसर विक्टर बाबू, इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सी एम रवि कुमार ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किया। एंटरप्रेन्योर प्रियंका गुप्ता ने अपनी एक छोटे से कस्बे से शुरू की जिंदगी में एआई का प्रयोग करके अपनी एक कंपनी खड़ी करने तक की कहानी विद्यार्थियों को बताई और अपने अनुभव साझा किये। उत्पादकता सप्ताह के चौथे दिन अर्थात 15 फरवरी को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में उपरोक्त विषय पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन "आर्टिफिशल इंटेलिजेंस: प्रोडक्टिविटी इंजन इन फ्यूचर इकोनॉमी ग्रोथ" विषय पर कुलपति प्रो एन बी सिंह के

निर्देशन में एक पैनल डिस्कशन हुआ। इसमें बी बी ए यू की डॉ राजश्री तथा डॉ सुधा बाजपेई जी यू पी प्रोडक्टिविटी कॉउन्सिल की तरफ से प्रोग्राम डायरेक्टर के रूप में रहीं। अपने प्रबोधन में डॉ सुधा ने छात्रों को ए आई की महत्ता के विषय मे बताया। तथा इसी क्रम में बोलते हुए डॉ राजश्री ने ए आई के विभिन्न आयामों तथा उनके उपयोग के विषय में वृहत चर्चा की। प्रश्नोत्तर काल में विद्यार्थियों ने कई प्रश्न पूछे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ नीरज शुक्ल तथा डॉ सुमन मिश्रा थे । इसी क्रम में दिनांक 16 फरवरी को यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा नवयुग कन्या महाविद्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम के प्रारंभ में यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल की प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ सुधा वाजपेई ने एआई टूल का इस्तेमाल कर किस प्रकार लड़कियां आर्थिक रूप से संपन्न हो सकती हैं ,इसके विषय में विस्तार से बताया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ सुमन कुमार पांडे ,असिस्टेंट प्रोफेसर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय थे । उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का 90% प्रभाव सकारात्मक है और 10% मात्र ही इसका नकारात्मक प्रभाव है। आज के दौर में इससे बचा नहीं जा सकता तो फिर हम क्यों ना इसके माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने का प्रयास करें । छात्राओं द्वारा चैट जीपीटी के विषय में कई प्रश्न पूछे गए जिनका उत्तर वक्ता ने कुशलतापूर्वक दिया । कार्यक्रम में प्रोफेसर संगीता कोतवाल आई क्यू ए सी कोऑर्डिनेटर , प्रोफेसर मनमीत कौर, प्रोफेसर शर्मिता नंदी , डॉ सीमा सरकार , डॉ सीमा पांडे एवं प्रोफेसर सृष्टि माथुर इत्यादि लोग उपस्थित थे। इसके पश्चात

यूपी उत्पादकता परिषद ने राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह की श्रृंखला में शिया पी जी कॉलेज में 17 फरवरी, २०२४ को "कृत्रिम बुद्धिमत्ता: आर्थिक विकास के लिए उत्पादकता इंजन" विषय पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इज़ाबेला थोबर्न कॉलेज, लखनऊ की प्रोफेसर रोमा स्मार्ट जोज़फ सम्मिलित हुईं, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर एक ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी।

प्रोफेसर जोज़फ की प्रस्तुति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बहुमुखी अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें नियमित कार्यों, डेटा विश्लेषण, निर्णयात्मक कार्य , ग्राहक अनुभव, आपूर्ति श्रृंखला अनुकूलन, स्वास्थ्य देखभाल नवाचार, कृषि प्रगति, ऊर्जा दक्षता, वित्त, शैक्षिक उपकरण और अनुसंधान के स्वचालन पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया गया। विभिन्न एआई उपकरणों का उपयोग करते हुए उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि कैसे एआई उद्योगों को नया आकार दे रहा है और उत्पादकता प्रतिमानों में क्रांति ला रहा है।

इस आयोजन में छात्रों और संकाय सदस्यों की ओर से समान रूप से महत्वपूर्ण रुचि और जुड़ाव देखने को मिला। प्रोफेसर जोज़फ की आकर्षक प्रस्तुति ने न केवल बढ़ी हुई उत्पादकता के लिए एआई के रणनीतिक एकीकरण में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की, बल्कि उपस्थित लोगों को 21 वीं सदी के कार्यबल में एआई प्रौद्योगिकियों द्वारा प्रस्तुत अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित भी किया।

इस आयोजन पर विचार व्यक्त करते हुए, यूपी उत्पादकता परिषद की कार्यक्रम निदेशक डॉ सुधा बाजपेयी ने कहा कि आर्थिक विकास और समृद्धि के उत्प्रेरक के रूप में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। एक गहरी समझ को बढ़ावा देकर एआई की क्षमता को ध्यान में रखते हुए, हमारा लक्ष्य अपने छात्रों को हमारे देश के उत्पादकता परिदृश्य में सक्रिय योगदान देने के लिए सशक्त बनाना है।" शिया कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर एस एस आर बाकरी ने कहा कि

यूपी प्रोडक्टिविटी काउंसिल और शिया कॉलेज के बीच सहयोगात्मक प्रयास उत्पादकता एजेंडा को आगे बढ़ाने की दिशा में ज्ञान-साझाकरण और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का उदाहरण देता है। इस तरह की पहल सामाजिक-आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने और डिजिटल युग में सफलता के लिए तैयार कुशल कार्यबल के पोषण के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती हैं। मंच पर शिया कॉलेज के डॉ प्रदीप शर्मा एवं प्रोफेसर सैय्यद सादिक आबिदी जी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के अवसर पर 12 फरवरी से 18 फरवरी तक यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा विभिन्न महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के स्नातक ,परास्नातक छात्र-छात्राओं के बीच उत्पादकता दिवस धूमधाम से मनाया गया । जिसके अंतर्गत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोडक्टिविटी इंजन फॉर इकोनामिक ग्रोथ विषय पर गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज, शिया पीजी कॉलेज, नवयुग कन्या महाविद्यालय, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच व्याख्यान, पैनल डिस्कशन ,गोष्ठियां इत्यादि हुई। इसी कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा 'डिजिटल लिटरेसी फॉर वूमेन' विषय पर विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एक वीडियो बनाकर प्रस्तुत किया गया। उत्कृष्ट वीडियो बनाने वाले 10 विद्यार्थियों को सीबी गुप्ता बी एस एस महाविद्यालय में कार्यक्रम की डायरेक्टर डॉक्टर सुधा बाजपेई एवं एंटरप्रेन्योर प्रियंका गुप्ता द्वारा आलिया मोबीन, अभिमन्यु सिंह, प्रत्यूष सिंह, काव्या राय, साक्षी कनौजिया, अनुष्का यादव तथा आशीष धीमान को प्रमाणपत्र एवं ₹10000 रुपये की नकद धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की निदेशक डॉ सुधा वाजपेई ने सभी बालिकाओं को डिजिटल साक्षर होने तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का प्रयोग करते हुए अपनी रचनात्मकता तथा उत्पादकता को बढ़ाने का मूल मंत्र दिया । कार्यक्रम में डॉ जी के चतुर्वेदी, डॉ वंदना सिंह, डॉ पिंकी राय, डॉ अमिता परमार ,श्री रोहित कुमार तथा विभिन्न महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस प्रकार यू पी प्रोडक्टिविटी काउंसिल द्वारा राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह के संदर्भ में आयोजनों की श्रृंखला का समापन सफलतापूर्वक समाप्त हुआ ।